हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

12 स्थापना दिवस पर डबवाली में कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान शुरू

12 सड़क की करवाई सफाई, फोरमोस्ट कंपनी के एमडी को किया सम्मानित

पिछले दो सालों से सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या से परेशान हैं अशोक नगर के बाशिंदे, सिर्फ कागजों में हो रही सीवरेज लाइनों की सफाई

ब्रह्मकुमारी आश्रम से भूना रोड तक परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

दशकों पुरानी सीवरेज प्रणाली से आधे से ज्यादा शहर परेशान है। सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या से जूझ रहे बाजार, सडक़ व चौराहों के लोग अब दु:खी हो चुके हैं। खासकर अशोक नगर स्थित ब्रह्मकुमारी आश्रम से भूना रोड तक पिछले दो सालों से सीवरेज ओवरफ्लो है। ऐसा नहीं है कि जनस्वास्थ्य विभाग ने इसे सुधारने के लिए कोई कदम न उठाया हो लेकिन हालात देखकर ऐसा लग रहा है कि सिर्फ कागजों में ही सीवरेज लाइन की सफाई हो रही है। पिछले दिनों जनस्वास्थ्य विभाग ने अशोक नगर की 12 ईंची पाइप लाइन की सफाई को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग ने टेंडर जारी किया था। उसके बाद यमुनानगर की अमरदीप एंड कम्पनी को यह ठेका 1 करोड़ 12 लाख रुपये में यह दिया गया। कम्पनी ने 6 महीने में पूरे शहर की सीवरेज पाइप लाइन को सुपर सकर मशीन से डीसिल्टंग यानि पाइप लाइन से गाद या अन्य फंसे कचरे को बाहर निकालने का कार्य करना है। हालांकि विभाग का दावा था कि पूरे शहर की सीवरेज लाइन की सफाई का ठेका दिया गया है लेकिन अभी यह कम्पनी अशोक नगर में ही उलझी हुई है।

12 ईंची पाइप लाइन की सफाई को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग ने जारी किया था टेंडर

समस्या को लेकर दो बार भूख हड़ताल पर बैठ पार्षद

बता दें कि सीवरेज के ओवरफ्लो की समस्या से अब तक अशोक नगर से माजरा रोड, ब्रह्मकुमारी आश्रम रोड से लेकर भूना रोड क्रॉसिंग क्षेत्र की आबादी सबसे ज्यादा त्रस्त है। इस समस्या को लेकर पिछले दिनों अनेक लोग विधानसभा उपाध्यक्ष कृष्ण मिढ़ा से भी मिले थे। अशोक नगर के पार्षद सुभाष नायक इसी मुद्दे को लेकर दो बार भूख हड़ताल पर बैठ चुके हैं। डीएमसी अनुराग ढालिया व अन्य अधिकारियों के आश्वासन के बाद यहां काम शुरू करवाया गया। अशोक नगर क्षेत्र में सीवर जाम की समस्या को दूर करने के लिए पब्लिक हेल्थ की टीम द्वारा सुपर सकर मशीन की मदद से बड़े पैमाने पर सीवर लाइन डीसिल्टिंग कार्य शुरू किया गया था। टीम द्वारा मुख्य गलियों और पुरानी सीवर पाइप लाइनों में जमा मिट्टी, कचरा और स्लज को हाई-प्रेशर सक्शन तकनीक से निकालने का काम शुरू किया।

अशोक नगर से फाइव एकड़ को जाने वाली सड़क पर फैली सीवरेज की गंदगी।

6 महीने में शहरभर में सीवरेज लाइनों की होगी सफाई

सफाई कार्य की निगरानी करने वाले अभियता ने बताया कि मशीनों की मदद से रोजाना 10 किलोमीटर लाइन की सफाई की जा रही है। विभाग द्वारा शहरभर में सीवरेज लाइनों की सफाई के लिए टेंडर जारी कर दिया है। 12 ईंची से अधिक की सभी पाइप लाइनों की सफाई की जाएगी और यह काम 6 महीने में पूरा कर लिया जाएगा।

लंबे समय से परेशान हैं स्थानीय लोग

अशोक नगर निवासी सुशील, मनोज व संजय आदि ने कहा हमने कई बार गुहार लगाई कि सीवरेज लाइन की पूरी सफाई की जाए। सडक़ पर गंदा पानी भर जाता था। पार्षद सुभाष नायक ने बताया कि इसके लिए कार्यालय में धरना तक देना पड़ा था। विभाग ने उन्हें इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था लेकिन दो माह बाद भी हालात में कोई सुधार नहीं आया है। अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह दोबारा धरने पर बैठने को मजबूर होंगे।

सफाई कार्य शुरू : एसडीओ

शहर में सीवरेज की ओवरफ्लो की समस्या को खत्म करने के लिए पाइप लाइनों की सुपर सकर मशीन से सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। यहां सबसे ज्यादा समस्या अशोक नगर में थी, जिस कारण 20 से अधिक गांवों का आवागमन बाधित हो रहा था। पिछले काफी समय से प्रयास था कि इसका समाधान किया जाए लेकिन मुख्यालय की लेट-लतीफी के चलते अब इसका टेंडर पास हो चुका है। शहर में 12 ईंच से बड़ी सीवरेज लाइनों की सफाई करवाई जाएगी। इस काम में 6 महीने का समय लगेगा।

-सतपाल रोज, एसडीओ पब्लिक हैल्थ फतेहाबाद

खबर संक्षेप

अवैध हथियार मामले में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

फतेहाबाद। अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान चलाते हुए सदर रतिया पुलिस ने मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह उर्फ दीपू उर्फ मामना पुत्र निक्का सिंह निवासी बगवाला गुरुद्वारा के समीप, मानसा, पंजाब के रूप में हुई है। इस मामले में पूर्व में एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है, जिसके कब्जे से 12 बोर का देशी पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे।

15 वर्षीय मंदबुद्धि किशोरी को परिजनों से मिलवाया

फतेहाबाद। जिला पुलिस न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में तत्पर है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों का भी पूरी संवेदनशीलता के साथ निर्वहन कर रही है। इसी क्रम में थाना जाखल पुलिस ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए एक सराहनीय कार्य किया। नाका कड़ैल चौक जाखल के पास एक 15 वर्षीय मंदबुद्धि किशोरी, जो अपने घर से भटककर बाहर निकल गई थी, पुलिस को अकेली अवस्था में मिली। थाना जाखल पुलिस के प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि किशोरी की स्थिति को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत उसे सुरक्षित स्थान पर बैठाया और शांति से जानकारी जुटाने का प्रयास किया।

चूरापोस्त सहित बाइक सवार युवक काबू

फतेहाबाद। सीआईए रतिया पुलिस ने चूरा पोस्त तस्करी के एक आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है। सीआईए रतिया प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रिछपाल ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व नाकाबंदी के दौरान रतिया बाईपास पर मौजूद थी। इसी दौरान बस अड्डा शेड के पास एक युवक मोटरसाइकिल पर संदिग्ध अवस्था में बैठा दिखाई दिया। पुलिस वाहन को देखकर आरोपी मोटरसाइकिल लेकर भागने लगा, जिसे कुछ दूरी पर पीछा कर काबू कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान सोमपाल उर्फ बाला, पुत्र किशनचंद, निवासी शेरगढ़ ढाणी, रतिया के रूप में हुई।

शहीदी दिवस पर चलाया कढ़ी-चावल का लंगर

टोहाना। शहर के डांगरा रोड स्थित तूर सर्विस स्टेशन के पास गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादो के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में लंगर का आयोजन किया गया जिसमें कढ़ी चावल और चाय का प्रसाद सेवादारों द्वारा वितरित किया गया। इस दौरान निजी स्कूल प्रिंसिपल नीरज कुमार ने बताया कि चारों साहिबजादों के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं ताकि लोगों को उस महान बलिदान के बारे जागरूक किया जा सके। उन्होंने बताया कि पिछले तीन साल से यह लंगर लगाया जाता है।

1140 करोड़ की लागत वाला प्रोजेक्ट प्रशासनिक उदासीनता का शिकार

6 साल पहले शुरू हुआ नए अस्पताल का काम अधूरा, करोड़ों की योजना लटकी

सुरेन्द्र असीजा ⏭ फतेहाबाद

20 साल पहले की हुई थी घोषणा, अगले साल की शुरूआत में भी कोई उम्मीद नहीं

फतेहाबाद में 200 बैड के नये सरकारी अस्पताल का काम अभी भी अधर में लटका हुआ है। इस अस्पताल को बनाने के लिए 2006 में तत्कालीन सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने घोषणा की थी। 2019 में सैक्टर 9 में 18 एकड़ जमीन पर नए अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण कार्य शुरू हुआ लेकिन 6 साल बीत जाने के बावजूद भी इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। विभागीय सूत्र तो यह बताते हैं कि जिस गति से यह काम चल रहा है, इसके 2026 के अंत तक पूरा नहीं हो पाएगा। हालांकि इसकी समय सीमा जून 2026 तय की गई है। इसके निर्माण को लेकर शासन-प्रशासन कोई सुध नहीं ले रहा है वहीं शहर से दूरी ज्यादा होने के चलते इसको लेकर लोगों में भी कोई खास रूचि नहीं है। बता दें कि फतेहाबाद में नए सरकारी अस्पताल के निर्माण के लिए सैक्टर 9 में हुडा ने 18 एकड़ जमीन का प्रावधान किया था। अस्पताल की नई बिल्डिग को लेकर दो मुख्यमंत्री घोषणा कर चुके हैं। वर्ष 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने फतेहाबाद में 100 बेड का अस्पताल बनाने की घोषणा की थी। वर्ष 2011 में जब तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह जब दोबारा फतेहाबाद में आए, तो उन्होंने इस घोषणा को दोहराया। नई बिल्डिग का नक्शा बनाकर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को भेज दिया। 30 दिसंबर 2014 को फतेहाबाद में आए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी 100 बेड के अस्पताल की घोषणा की। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की नई गाइडलाइन के मुताबिक इसे 200 बेड का कर दिया गया। ऐसे में 20 साल बाद भी नए अस्पताल का निर्माण अधर में लटका पड़ा है। इस अस्पताल के निर्माण पर 1140 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान रखा गया है। पहले करीब 200 करोड़ रुपये का अस्टिमेट बनाया गया था। बड़ा अस्पताल होने के कारण यहां पर छह आपरेशन थियेटर होंगे। सिजेरियन डिलिवरी के लिए भी दो आपरेशन थियेटर बनेंगे।

फतेहाबाद। हुडा सैक्टर 9 में बन रही अस्पताल की नई बिल्डिंग। *फोटो: हरिभूमि*

पुरानी बिल्डिंग पर करोड़ो की मरम्मत समझ के परे

एक ओर फतेहाबाद में नए नागरिक अस्पताल की बिल्डिंग तैयार हो रही है, वहीं दूसरी ओर पुराने अस्पताल भवन पर रेनोवेशन के नाम पर 9 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस कदम पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों का कहना है कि जब नया अस्पताल बनने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, तो पुराने भवन पर इतनी बड़ी राशि खर्च करना समझ से परे है। रंग-रोगन और मरम्मत जैसे कार्यों पर भारी निवेश किया जा रहा है, जबकि अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी है।

जून 2026 तक समय सीमा

शुरूआत में लोक निर्माण विभाग ने 2024 में इसे स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर करना था लेकिन बाद में इसकी समय सीमा बार-बार बढ़ती रही। अब जून 2026 तक समय सीमा तय की गई है। अब तक नई बिल्डिंग में 75 फीसदी काम ही पूरा हुआ है। ऐसे में माना जा रहा है कि इसका निर्माण कार्य 2027 से पहले पूरा नहीं होगा। बड़ी बात यह है कि सरकार व जिला प्रशासन इस बारे में चुप्पी साधे हैं। नया अस्पताल भवन तैयार होने के बाद मौजूदा नागरिक अस्पताल से सभी सेवाएं वहां स्थानांतरित की जाएंगी। शिफ्टिंग के बाद नए परिसर में प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप मॉडल पर कई आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू करने की योजना है। इससे जिले के मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी। इसी बीच वर्तमान नागरिक अस्पताल भवन का स्वरूप भी बदला जा रहा है। करीब साढ़े नौ करोड़ रुपये की लागत से सुंदरीकरण का कार्य जारी है।

रतिया। नशीली गोलियों सहित गिरफ्तार युवक। *फोटो: हरिभूमि*

रिहायशी मकान से प्रतिबंधित दवाइयां बरामद, युवक काबू

- नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना शहर रतिया पुलिस ने नशीली गोलियों की तस्करी करने वाले एक युवक को उसके रिहायशी मकान से काबू किया है। पुलिस ने उसके पास से हजारों के नकदी नोट भी बरामद किए हैं। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर राम नगर कॉलोनी, वार्ड नंबर-14 रतिया स्थित मकान पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी जंगीर राम पुत्र पुन्नु राम, निवासी राम नगर कॉलोनी, रतिया को मौके से काबू किया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 40 प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद हुई। इसके अतिरिक्त मौके से 645 अन्य नशीली गोलियों के अलावा 27,500 की नकली करंसी जिसमें 500-500 के 55 नोट शामिल हैं बरामद किए है।

सामान बरामद

मौके से 8 मोबाइल फोन, 12 हाथ घड़ियां तथा अन्य संदिग्ध सामान भी बरामद किया गया है। आरोपी कोई वैध लाइसेंस या चिकित्सकीय पर्ची प्रस्तुत नहीं कर सका और पूछताछ में नशीली गोलियां बेचने की बात स्वीकार की। इस संबंध में थाना शहर रतिया में एनडीपीएस एक्ट के अलावा आरोपी के खिलाफ नकली करंसी रखने के तहत बीएनएस की धारा 180 के तहत भी कार्रवाई की गई है।

हमला करने के मामले में दो युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। मकान निर्माण कोलेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति पर हमला कर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में थाना शहर टोहाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि भूना रोड, टोहाना निवासी सुशील कुमार के बयान पर यह मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार 25 दिसंबर को सुबह करीब 10 बजे, मकान निर्माण को लेकर हुए विवाद के दौरान आरोपी सुखपाल व अन्य ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी।

अब तक 141 अपराधी गिरफ्तार

- ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

अपराधियों की धरपकड़ को लेकर चलाए जा रहे ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत फतेहाबाद पुलिस ने अब तक 141 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिलेभर में गश्त, छापेमारी और इंटरसेप्शन बढ़ाते हुए 571 से अधिक हॉटस्पॉट क्षेत्रों की निगरानी की गई। सभी थाना/यूनिट स्तर पर विशेष टीमों ने मोहल्लों, ग्रामीण बेल्ट, बाजार क्षेत्रों और नशा प्रभावित पॉकेट्स में लगातार कॉम्बिंग की। अभियान के दौरान पुलिस ने अब तक 141 आरोपियों को काबू किया। छापेमार टीमों द्वारा की गई इनके कब्जे से 6215 नशीली गोलियां, 2.706 किलोग्राम अफीम, 440.84 ग्राम हेरोइन, 49.480 किलोग्राम डोडा पोस्त, 762 ग्राम गांजा, 71 बोतलें अवैध शराब व 430 लीटर लाहन तथा 66,630 नकदी बरामद की है।

हिंसक अपराध के खिलाफ भी कड़े कदम उठाए

एसपी सिद्धांत जैन ने बताया कि फतेहाबाद पुलिस ने केवल नशा नेटवर्क तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि हिंसक व संगठित अपराध के खिलाफ बड़े स्तर पर कड़े कदम उठाए गए हैं। पुलिस द्वारा 48 फरार आरोपी गिरफ्तार किए गए, 7 आरोपियों की संपत्ति कुर्क की गई, 8 के विरुद्ध एलओसी जारी की गई वहीं 9 के पासपोर्ट रद्द करने हेतु प्रस्ताव भेजे गए हैं। फरार व इंटर-स्टेट अपराधियों की लोकेशन और निगरानी को लेकर जिला पुलिस ने 86 संदिग्ध व्यक्तियों कि अन्य राज्यों के साथ महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान किया। अभियान के दौरान पुलिस ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए 449 जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायता प्रदान की। एसपी ने कहा कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन जिले को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है और यह अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा।

जिला कांग्रेस प्रधान के पति पर गंभीर आरोप

- फायरिंग, धमकी और अवैध रूप से शराब ब्रिकी का आरोप
- कोर्ट ने एसपी सिरसा को इस मामले में केस दर्ज कर जांच रिपोर्ट मांगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला कांग्रेस प्रधान संतोष बैनीवाल के पति कालू ठेकेदार पर परिवार के ही एक सदस्य ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कालू ठेकेदार ऐलनाबाद के विधायक भरत सिंह बैनीवाल के छोटे भाई हैं जबकि आरोप लगाने वाला आकाश बैनीवाल भरत सिंह का रिश्ते में पोता लगता है। रविवार को मीडिया से रूबरू होते हुए आकाश बैनीवाल ने बताया कि बीती 22 अगस्त को उनके घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे पर फायरिंग की गई। यही नहीं उसके पिता के व्हाट्सएप पर अज्ञात नंबर से कॉल करवाकर धमकी दी गई कि अभी तो कैमरे पर गोली लगी है, अगली गोली तेरे बेटे के सिर में ना लग जाए। घटना की गंभीरता को देखते हुए उसने चोपटा थाने के साथ-साथ एसपी सिरसा को भी इस संबंधी शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। आकाश बैनीवाल ने आरोप लगाया कि संतोष बैनीवाल पर भी आर्म्ज एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। उसने बताया कि रंजिश की वजह ये है कि कालू उर्फ ठेकेदार को इस बार शराब के ठेके नहीं मिले, जोकि उसके पिता ने ले लिए। जिसके कारण वह अवैध रूप से शराब की बिक्री करता है। यही नहीं रोकने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। अवैध शराब, फायरिंग व धमकी देने संबंधी विडियो फुटेज भी उनके पास है। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का सहारा लिया। हाईकोर्ट के आदेशों के बाद 18 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने एसपी सिरसा को इस मामले में केस दर्ज कर जांच रिपोर्ट मांगी।

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करता पीड़ित आकाश बैनीवाल। *फोटो: हरिभूमि*

आरोपों को बताया झूठा

उधर, इस संबंध में कांग्रेस जिला प्रधान संतोष बैनीवाल ने कहा कि आरोप निराधार हैं, झूठे आरोप लगाकर मेरी व मेरे परिवार की छवि को खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। अगर मेरे पति दोषी हैं तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए। अगर वो दोषी नहीं है तो उल्टा आरोप लगाने वाले लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मंत्री से खस्ताहाल डिवाइडर को दुरुस्त करवाने की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

कैबिनेट मंत्री अनिल विज को एक पत्र भेजा

शहर के बेगू रोड पर गोल डिग्गी चौक से महाराजा अग्रसेन स्कूल तक जर्जर हालत में मौजूद डिवाइडर का पुनर्निर्माण करवाने को लेकर शहर के बेगू रोड निवासी सा मा जि क कार्यकर्ता भीम सैनी ने कैबिनेट मंत्री अनिल विज को एक पत्र भेजा है। भीम सैनी ने अपने पत्र में कहा कि बेगू रोड गोल डिग्गी चौक से महाराजा अग्रसेन स्कूल तक स्थित रोड डिवाइडर पूरी तरह से खस्ताहाल व जर्जर हो चुका है। इस संबंध में लोकनिर्माण विभाग, प्रांतीय मंडल संख्या 2, सिरसा से कई बार अनुरोध करने के बावजूद उक्त जर्जर डिवाइडर का पुनर्निमाण नहीं करवाया जा रहा है, जिसके चलते दुर्घटनाएं होने का भय बना हुआ है। वहीं महाराजा अग्रसेन स्कूल के प्रधान अनिल गनेरीवाला द्वारा इस फुटपाथ के पास अपने निजी खर्च से चेतावनी संकेतक व स्पीड ब्रेकर बनवाने पर दुकानदारों ने उनका आभार जताया।

जागरूकता

कंट्रोल रूम, नजदीकी थाना या चौकी को बताएं कब तक बाहर रहेंगे

सुरक्षा के लिए छोटी-सी सतर्कता भी बड़ी मदद

घर या दुकान बंद कर बाहर जा रहे हैं तो पुलिस को तुरंत दें सूचना: एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस ने आमजन की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए नागरिकों से महत्वपूर्ण अपील की है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति अपने घर या दुकान को कुछ समय या कई दिनों के लिए बंद कर बाहर जा रहा है, तो प्रस्थान से पहले अपने नजदीकी थाना/चौकी या आपातकालीन सेवा डायल 112 पर कॉल कर कंट्रोल रूम को यह जानकारी देना अनिवार्य है। यह छोटी-सी सावधानी चोरी, सेंधमारी और अन्य अपराधों को रोकने में मददगार साबित हो सकती है।

बंद मकानों पर चोरों की नजर

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अक्सर लंबे समय तक बंद रहने वाले मकान या दुकानों की जानकारी असामाजिक तत्वों तक पहुंच जाती है, जिससे चोरी जैसी घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में यदि नागरिक पहले से पुलिस को सूचना दे दें, तो उस क्षेत्र में अतिरिक्त निगरानी सुनिश्चित की जा सकती है। पुलिस की गश्ती टीमें ऐसे बंद मकानों और दुकानों पर विशेष नजर रखती हैं, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते कार्रवाई की जा सकती है।

सूचना देने की प्रक्रिया सरल और सुरक्षित

एसपी यह भी कहा कि सूचना देने की प्रक्रिया सरल, सुरक्षित और पूरी तरह गोपनीय है। नागरिक केवल एक कॉल के माध्यम से यह जानकारी दे सकते हैं कि उनका घर या दुकान कब से कब तक बंद रहेगा। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएगी और इसका उपयोग केवल सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए किया जाएगा। एसपी ने नागरिकों से अपील की कि घर या दुकान बंद करते समय अन्य सुरक्षा उपाय भी अपनाएं। दुकानदारों को विशेष रूप से सलाह दी गई है कि वे नकदी या कीमती सामान दुकान में न छोड़ें। अंत में एसपी सिद्धांत जैन ने दोहराया कि घर या दुकान बंद कर बाहर जाने की स्थिति में नजदीकी थाना/चौकी या डायल 112 पर कॉल कर कंट्रोल रूम को सूचना देना जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

खोड़िया नृत्य की परंपरा

हरियाणा में विवाह के समय खोरिया (खोड़िया) एक प्रसिद्ध और मनोरंजक परंपरा है, जो दूल्हे की बारात जाने के बाद घर पर महिलाओं द्वारा निभाई जाती है; इसमें वे मंगल गीत गाती हैं, हंसी-मजाक करती हैं और विवाह के दृश्यों का नाटकीय अभिनय करती हैं। इसमें दूल्हा-दुल्हन और अन्य किरदारों की नकल की जाती है, जिससे उनका मनोरंजन होता है और घर की सुरक्षा भी होती है, साथ ही नवविवाहित जोड़े के सकुशल लौटने की कामना की जाती है।

हरियाणवी लोकगीतों में विवाह संस्कार

हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है- "बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति में लोकगीत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जहाँ लोकगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के दिल की धड़कन अनुभव होते हैं। हरियाणवी लोकगीतों की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है, जिसमें विविधता का असीम सागर लहराता है। यहाँ ऋतुओं के बदलने पर 'सावण के गीत' और 'तीज के मल्हार' गाए जाते हैं, तो खेतों में काम करते समय 'जकड़ी' और 'रागिनियों' के स्वर गूंजते हैं। वीर रस से भरे 'आल्हा' जहाँ भुजाओं में बल भरते हैं, वहीं भक्ति रस से सराबोर 'भजन' आत्मिक शांति देते हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में अद्भुत विविधता प्राप्त होती है और जीवन के सभी संस्कारों पर गीत गाए जाते हैं, फिर चाहे जन्म हो अथवा मृत्यु है। संस्कारों में अत्यधिक महत्वपूर्ण विवाह संस्कार पर तो इनकी परंपरा बहुत प्रभावित करती है। इस विशाल परंपरा में 'विवाह के गीत' संस्कारों की नींव को मज़बूत करते हैं।

विवाह के संस्कार की शुरुआत सगाई से होती है। जैसे ही रिश्ता तय होता है, घर के आँगन में खुशी की लहर दिखाई देती है। विवाह की रस्में बान और तेल से शुरू होती हैं। हरियाणवी परंपरा में बान 5, 7 या 9 दिन पहले बैठाए जाते हैं। यानी दूल्हा या दुल्हन को शादी वाले दिन तक रोज़ाना हल्दी-तेल (बटना) लगाया जाता है और नहलाया जाता है। इसे ही 'बान फिरना' कहते हैं। इस समय महिलाएं 'तेलन' को संबोधित करते हुए गाती हैं:

"तारो ए तेलन तेल, म्हारे बन्ने कै चढ़ेगा तेल,
हरया-हरया गोबर मंगाओ, आंगण लिपाओ ए...
म्हारा बन्ना बैठैगा ए, बिछाओ रंगीले खेल,
सोने की कटोरी में, तारो ए तेलन तेल।"

इसके बाद जब दूल्हे या दुल्हन को पटड़े (चौकी) पर नहलाया जाता है, तो दादी और ताई 'समंदर के पानी' की उपमा देते हुए बड़े लाड़ से गाती हैं:

"तात्ता पाणी ए समंदरां का, पोता/बेटा न्हाइयो
ए म्हारे दादा/ताऊ/बाबू का....

अंत में तेल चढ़ाते समय घर की बुज़ुर्ग महिलाएँ शगुन मनाती हैं और नज़र उतारती हैं:

"तेल चढ़ाओ ए बन्नो री दादी, लाड लड़ाओ,
तेल चढ़ाओ ए बन्नो री ताई, शगुन मनाओ
म्हारी बन्नो का रूप सवाया, चाँद सा उजियार,
नज़र न लागे किसी की, राखो जी भरतार"

बान के दिन से ही रात के समय महिला संगीत शुरू हो जाता है, जिसमें बन्ना-बन्नी के सौंदर्य, चतुराई और भविष्य की कल्पनाएँ गीतों में ढलती हैं :

"बन्ना तो हांडे अपने बाबा जी की गलियां
दादी तो फिरै रहसी रहसी रे महल में
सेर मोती बारूं जी बन्ने पै
मोती भी वारूं मैं तो हीरे भी वारूं सेर मोती..."

एक और गीत में बन्नी अपने बन्ने को कहती है:

बन्ना जी मैं तो राज घर सै आई
बन्ना जी तेरे बाबा की ऊंची हवेली
बन्ना जी तेरे बाबल की ऊंची हवेली
बन्ना जी मैं तो चढ़ती चढ़ती आई

इसके बाद विवाह के दिन भात से पहले कुम्हार के घर जाकर 'चाक पूजने' की रस्म बहुत महत्वपूर्ण है। यह रस्म सृजन के प्रतीक 'चाक' (पहिए) के प्रति सम्मान व्यक्त करती है ताकि नए दांपत्य जीवन का पहिया भी निर्बाध चलता रहे। महिलाएं गाती हुई जाती हैं:

"चाक पूजन चाल पड़ी, सुहागन नार,
साथ में सखियाँ गावें, मंगल चार
कुम्हारन ए, दे दे मटकिया का साथ,
तेरे चाक पे बनरी की, सुधरेगी बात"

चाक पूजन के बाद विवाह की यात्रा का सबसे भावुक रिवाज होता है 'भात'। बहन विवाह से पहले अपने भाई को न्योता देती है और गीतों के माध्यम से भात के लिए बुलावा देते हुए कहती है:

'बीरा मेरा मान बढ़ाइयो रे,
मैं न्यौतण आई भात
बीरा तीन मंजली हेली ,
मैं ल्याई रे भात की भेली"

इस परंपरा में वह पल बहुत भावुक करने वाला होता है जब विवाह के दिन भाई भात लेकर आता है और बहन आस-पड़ोस की सभी स्त्रियों संग भात लेते हुए गीतों से भाई का स्वागत करती हुई गाती है:

'मत बरसो इन्द्र राजा जी मेरी मां का जाया भीजै
मेरी मां का जाया भीजै, मेरा सगा भतीजा भीजै
मत बरसो इन्द्र राजा जी, मेरी मां का जाया भीजै''

भात लेने के बाद 'मांढा' बंधन की रस्म होती है और गाया जाता है:

किन्नै यो मांढा पिछवाडिआं
किन्नै यो पूर्या सै चोंक
मांढलड़ा सिरी राम का

इसके बाद जब दूल्हा घोड़ी पर चढ़ता है। बैंड बाजे के साथ बहनें और गाँव की महिलाएँ गाती हैं:

मुबारक सादी हो बनड़े ये घोड़ी नाचती आई
तेरे बाबा हजारी नै बड़ी दूरों से मंगवाई
बनड़े की घोड़ी बिदकै मेरा कलेजा धड़कै
सीस बने के सेहरा, लड़ियां से लाल लटकै
गले बने के तोड़ा, घूण्डी से लाल लटकै
हाथ बने के घड़ियां, कांगणे सै लाल लटकै

फिर दूल्हा बारात लेकर ससुराल पहुंचता है तो स्वागत में 'सीठणे' (मीठी गालियाँ) गाए जाते हैं। यह हरियाणवी लोकगीतों का सबसे रोचक पक्ष है, जहाँ समधियों के रंग-रूप और वेशभूषा पर व्यंग्य किए जाते हैं:

'बाज्या रे नगाड़ा रणजीत का जणू हाक्यम आया
अपणी बेबे न छोड़ के हे म्हारे ब्याहवण आया'
'हमने बुलाए गोरे-गोरे, काले-काले आये रे पसेरे,
हमने बुलाए लंबे-लंबे, ओछे-ओछे आये रे पसेरे '

'फेरे' विवाह के पावन बंधन का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र पड़ाव होता है। जब फेरों के लिए पूजन शुरू होता है तो दुल्हन की सखियां गाती हैं :

दादा देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का बर ढूंडियो
लाडो देस जांदा परदेस जांगा, ढूंडिया सै फूल गुलाब का
ताऊ देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का वर ढूंडियो

अग्नि के सात फेरे लेते समय वधू का अधिकार क्षेत्र बदलता है। हरियाणवी लोकगीतों में हर फेरे के साथ बेटी के 'पराई' होने का दर्द अनुभव किया जा सकता है:

पहला फेरा लीजिए दादा की हे पोती
दूजा फेरा लीजिए ताऊ की हे बेटी
तीजा फेरा लीजिए बाबल की हे बेटी
चौथा फेरा लीजिए काके की हे बेटी
पांचमा फेरा लीजिए मामै की हे भाणजी
छठा फेरा लीजिए नाना की हे दोहती
सातवां फेरा लीजिए लाडो होई पराई

फेरों के बाद 'छन्न' सुनने की रस्म भी होती है जिसमें दूल्हे को छन्न सुनाने के लिए कहा जाता है :

छन्न पक्कियां छन्न पक्कियां, छन्न के ऊपर केसर। सासू मेरी पारवती, सोहरा परमेसर।।

छन्न के बाद विदाई का समय बहुत भावुक करने वाला होता है। बेटी का घर से जाना, बचपन की यादें और माता-पिता का विलाप इन गीतों का मुख्य स्वर होता है। कोयल की उपमा देकर गाया जाने वाला यह गीत अत्यंत मार्मिक है:

"कोयल चालि ए बागां न छोड़ कै,
ए मन्नै कूकर राखोगे मेरी माए...
जिन गलियों में बचपन बीता,
वही गली बिसराई ए,
मात-पिता को छोड़ के बन्नी,
हो गई आज पराई ए"

एक और पारंपरिक विदाई गीत जो मन को छू जाता है:

मेरी बन खंड को कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे ताऊ ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चली
मेरी बन खंड की कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे बाबुल ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चाली

दूसरी तरफ बारात के विदा होने के बाद, जब घर सूना हो जाता है, तब 'खोड़िया' का आयोजन होता है। यह स्त्रियों का निजी उत्सव है, जहाँ घूंघट की मर्यादा से परे हटकर वे दूल्हा-दुल्हन बनने का नाटक करती हैं :

"खोड़िया मा खोड़िया, आज म्हारे घर आवे नई बहु,
कोरी-कोरी चांदी का हसला घड़ाया...
आज म्हारे बेटे की सुहाग वाली रात।
दुख भूल कै हँस ले आज, यही है रीति की बात।"

असल में हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है-"बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। हरियाणवी विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो समय के साथ बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

गीत | **राजपाल सिंह गुलिया**

तेरी खेती हरी-भरी

बुरा न मानै तै भैया कुछ, मैं भी कह द्यूँ खरी -खरी ।
बिना सँभाले सूखण लाग्यी , तेरी खेती हरी-भरी ।।

धन दौलत पा कै नै माणस , देख नसे म्हं चूर हुए ।
काणा कहकै दाम माँगते , ये इतणे मगरूर हुए ।।
जरगी सैं इनकी पुश्तैनी , तलवारें भी धरी - धरी ।।

छोरा रोज रात नै आवै, बाहर तैं ए खा पी कै ।
काल्ह कही तै न्यू बोल्या के ,करणा सै हमनै जी कै ।
बहू रोज याह बिना बात बस, बैठी रह सै डरी -डरी ।

खरा कमावै खोटा खावै , याह होग्यी सै रीत हड़ै ।
बाकलियाँ का ब्यौंत देख कै , गावैं सैं सब गीत हड़ै ।।
किसै न मत छेड़ो भाई , बैठी दुनिया भरी - भरी ।

खरी कहणिया माणस सभ नै , भोत घणे लागैं खोटे ।
साँची कह कै बदनामी के, ये बाँधैं रोज भरोटे ।।
लांछन लाग्याँ पाच्छै बोली, लिकड़ै सै याह मरी-मरी।

गज़ल | **रिसाल जांगड़ा**

पड़्या मिरे तै काम नहीं सै।
उसने करया सलाम नहीं है।

बिस्तर तो सै सोन्ने का पर,
दिल नै तो आराम नहीं है।

ठूंठ बणी निरधन की जिंदगी,
सिर पै सुख की छाम नहीं है।

उस माणस नै दू रह्या सूँ,
जिसके सिर इलजाम नहीं है।

इस कलजुग की रामायण म्हं,
रावण तो सै राम नहीं है।

जड़ै छिप्या दिन रैन गुजारी
साधू का घर-गाँम नहीं सै।'

रिसाल' चाँद तै यारी लाकै,
सोया रात तमाम नहीं है।

रागनी | **सत्यवीर नाहड़िया**

बोल्ली या हरयाणी

चाळा करगी-भास्सा बरगी, बोल्ली या हरयाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

आन अनूठी-तान अनूठी, इस बोल्ली की न्यारी।
बोल निराळे-तोल निराळे, जाणै दुनिया सारी।
कड़कै भारी-पर सै प्यारी, बोल्ली सिद्धी-स्याणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

इस म्हैं पाणा-यो हरयाणा, गीत-रागनी न्यारी।
पाड़ैं चाळे-सांग निराळे, भजन-सबद लयकारी।
छप ल्यी सारी-साखी भारी, कबिता कथा-कहाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

धूम मचावै-झट छा ज्यावै, जित जा खुलकै बोल्ली।
गुँज्जै न्यारी-बोल्ली म्हारी, बोल्लीबुड नै तोल्ली।
लखमी डोल्ली-इस म्हैं झोल्ली,तकत-तोड़ थी गाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, या सै भोत पुराणी।।

मिट ज्या रास्सा-पलटै पास्सा, अंबर गान चढ़ावै।
सभनै आस्सा-बणकै भास्सा, माट्टी-मान बढ़ावै।
दिन वो आवै-मंगळ गावै, 'नाहड़िया' की बाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस ने वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बनाया था

ऐतिहासिक नगर हांसी का प्राचीन रुतबा बहाल

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

हरियाणा सरकार ने हांसी को एक नया जिला बनाकर इस ऐतिहासिक नगर के गौरवमयी रुतबे को पुनर्जीवित कर दिया है। सदियों पुराने इस ऐतिहासिक नगर का प्राचीन नाम आसिका होता था जो शाही सुलेमान मार्ग पर स्थित था। यहां के ऐतिहासिक किले का निर्माण सम्राट पृथ्वीराज द्वारा किया गया था। इसका समय-समय पर शासकों ने भरपूर उपयोग किया था।

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस द्वारा वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बना लिया था। प्राचीन किले में उसने सिक्के ढालने के वास्ते टकसाल भी स्थापित की थी, लेकिन चार वर्षों बाद 1801 में एक लम्बे लड़े गए युद्ध के बाद उसको हांसी से प्रस्थान करना पड़ा। फिर अंग्रेजों ने 1809-10 में हांसी में अपनी नई रिसाला छावनी स्थापित की तथा कुछ वर्षों बाद हांसी क्षेत्र कर्नल स्कीनर को जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। स्कीनर की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने फिर एक बार हांसी के रुतबे को कम कर दिया था, लेकिन वही हांसी का किला 1857 में अंग्रेजों का महत्वपूर्ण मुख्यालय भी बना। इसमें पंजाब के फिरोजपुर से कोर्टलैन्ड अंग्रेज के नेतृत्व में एक नवगवित सेना हांसी में पहुंच गई तथा हरियाणा क्षेत्र के क्रांतिकारियों को दिल्ली जाने से रोकने में सफल भी रही। दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना को कवच प्रदान करने वाली उस सेना को हरियाणा फील्ड फोर्स का नाम दिया गया था जो हांसी के किले में लगभग एक वर्ष तक जमी रही और वहीं से उस सेना ने ओढ़ां, खैरिका व जमालपुर आदि स्थानों पर क्रांतिकारियों से भीषण युद्ध किए थे।

हांसी नगर का ऐतिहासिक बड़सी गेट का दृश्य।

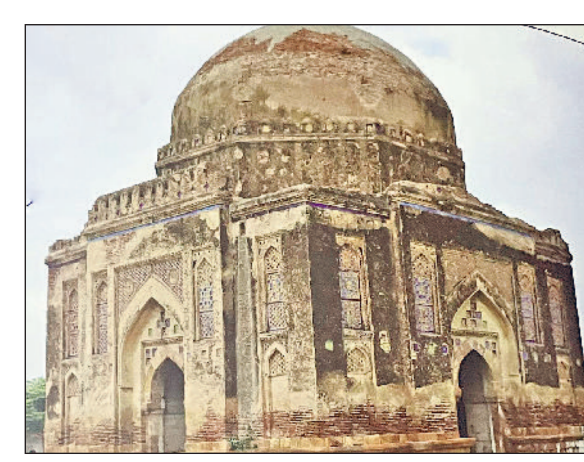

हांसी में स्थित अली तज्जार का मकबरा।

यहां चार कुतुब विराजमान

मुस्लिम समुदाय के विख्यात धार्मिक चार कुतुबों के यहां विराजमान रहने के कारण भी हांसी प्रसिद्ध नगर रहा था। नगर के चारों तरफ खिलजी सुलतान ने वर्ष 1300 के आसपास एक दीवार भी निर्मित करवाई थी जिसमें पांच प्रवेशद्वार थे। उन्हीं में से एक बड़सी गेट पर शिलालेख भी मौजूद है। ऐसे प्राचीन ऐतिहासिक नगर को अब एक जिले का दर्जा देकर मुख्यमन्त्री नायब सैनी ने सराहनीय कार्य किया है। इसी हांसी नगर में अंग्रेजों का ज्यादातर वास्ता रहने के कारण ही हिसार में घोड़ा फार्म स्थापित हुआ था। हांसी नगर में चार कुतुब परिसर के पास अली- तज्जार व लखी बनजारे के विशाल मकबरे स्थित हैं। वहीं पर स्कीनर की दो बेगमों के जुड़वां मकबरे भी बने हुए हैं। इनमें फारसी भाषा में शिलालेख अंकित हैं। यद्यपि ऐतिहासिक किला संरक्षित होने के बावजूद खंडहर बन चुका है, लेकिन जार्ज थॉमस द्वारा निर्मित हौज, बारूद खाना व बाह्य चौकियां आज भी दर्शनीय हैं, जोकि हांसी के प्राचीन इतिहास के साक्षी हैं।

लोकगायन की सशक्त आवाज़ राजबाला बहादुरगढ़

कलाकार | **अंकुर शर्मा**

हरियाणवी लोकगीतों ने वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट पहचान बनायी है। इसके लिए अनेक कवियों और कलाकारों का महनीय योगदान रहा है। एक समय जब हरियाणवी रागनी के क्षेत्र में पुरुष गायकों का बोलाबाला था और महिलाओं की उपस्थिति को संदेह और वर्जनाओं की दृष्टि से देखा जाता था, राजबाला ने न केवल माइक थामा, बल्कि अपनी बुलंद और आत्मविश्वासी आवाज़ से पुरुष-प्रधान गायकी के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजबाला का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव सरथल में हुआ। ठेठ ग्रामीण परिवेश, सीमित संसाधन और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि में पली-बढ़ी 'बाला' का बचपन खेतों की पगडंडियों, पशुओं की घंटियों और माँ की लोरियों के बीच बीता। औपचारिक शिक्षा भले ही अधिक न हो पाई हो, लेकिन प्रकृति और लोकजीवन ने उन्हें जो शिक्षा दी, वही उनकी असली पाठशाला बनी।

रेडियो पर बजने वाली रागनियां उनके मन में सुरों का पहला बीज बोती थीं। वह काम करते हुए, चारा काटते हुए या चूल्हे के पास बैठी-बैठी उन धुनों को गुनगुनाती रहतीं। पर उस दौर में बेटियों का ऊंचे स्वर में बोलना भी मर्यादा के विरुद्ध माना जाता था, मंच पर गाना तो दूर की बात थी। फिर भी उनके भीतर कहीं यह विश्वास पल रहा था कि सुरों से जुड़ा यह रिश्ता एक दिन उन्हें उनकी मंज़िल तक पहुंचाएगा। विवाह के बाद 'बाला' बहादुरगढ़ आकर बस गयी। सामान्यतः यह वह मोड़ होता है जहां अधिकांश बेटियों के सपने घरेलू जिम्मेदारियों में दबकर रह जाते हैं, पर उनके लिए यह नया जीवन एक नई कर्मभूमि बना। राजबाला बताती हैं कि पति रणबीर सिंह के सहयोग के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए उन्होंने अपना नाम 'बाला' से राजबाला कर लिया, वहीं बहादुरगढ़ से उनके नाम के साथ 'बहादुरगढ़' जुड़ा और धीरे-धीरे वही उनकी पहचान बन गया। 2004 के आसपास उन्होंने मंचों पर कदम रखा। उस समय रागनी मंचों पर पुरुष गायकों का ही बोलबाला था। पंडित लख्मीचंद और मेहर सिंह की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले दिग्गज कलाकारों के बीच एक घूंघट में खड़ी महिला का गाना समाज के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। राजबाला स्वयं कहती हैं "शुरुआत में बहुत ताने सुनने पड़े। लोग कहते थे कि बहू होकर मंच पर गाना शोभा नहीं देता लेकिन मेरे पति और परिवार ने मुझ पर विश्वास किया। उसी विश्वास ने मुझे समाज के डर से ऊपर उठना सिखाया।" यह समर्थन उनके संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत बना। घर, बच्चे और जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने सुरों की साधना जारी रखी और हर मंच पर खुद को बेहतर साबित करती चली गईं।

वर्तमान हरियाणा सरकार द्वारा संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें बहादुरगढ़ नगर परिषद् के लिए पार्षद मनोनीत किया गया है। प्रसिद्ध फल्गु लोककला महोत्सव में प्रस्तुति को राजबाला अपनी उपलब्धि मानती हैं। देश की सैकड़ों सांस्कृतिक संस्थाएं उन्हें सांस्कृतिक योगदान के लिए सम्मानित कर चुकी हैं। लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचने के बावजूद राजबाला की सादगी आज भी वैसी ही है। न दिखावा, न अहंकार- बस अपनी माटी से जुड़ा एक सरल व्यक्तित्व। वह मानती हैं कि रागनी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोकजीवन का आईना है, जिसमें समाज अपनी अच्छाइयों और कमज़ोरियों को देख सकता है। वास्तव में राजबाला बहादुरगढ़ केवल एक लोकगायिका ही नहीं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना की जीवंत प्रतीक हैं, जिनका लोकगायकी का यह सफर बताता है कि सच्ची प्रतिभा संसाधनों की नहीं, समर्पण और संघर्ष की मोहताज होती।

किस्सा गायकी की पहचान

हिसार के सुशीला भवन में भगत सिंह जयंती पर दी गई पहली प्रस्तुति से शुरू हुआ यह सफर देखते ही देखते प्रदेश भर के मंचों तक जा पहुंचा। राजबाला की गायकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी 'किस्सा परंपरा' है। राजा नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, हरिश्चंद्र और महाभारत जैसे प्रसंगों को जब वह रागनी में ढालती हैं, तो श्रोता केवल सुनते नहीं, उस कथा में जीने लगते हैं। वे बताती हैं कि 'लोकसंगीत की आत्मा शालीनता में बसती है, फूहड़ता में नहीं। उनका प्रयास गायकी में करुणा, वीर रस, भक्ति और प्रेम समाहित करने का रहता है।' लोकगायकी से मिला सम्मान और पहचान राजबाला विभिन्न टीवी चैनल्स और आकाशवाणी के अनेक केन्द्रों से रागनी की प्रस्तुति देने के साथ-साथ देशभर में लगभग 2500 सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं।

खबर संक्षेप

बहबलपुर में मनाया गया सुशासन दिवस

फतेहाबाद। गांव बहबलपुर स्थित रॉयल स्कूल व मुख्तयार सिंह मैमोरियल पी.जी. कॉलेज में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपयी जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। रॉयल स्कूल में कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रिंसिपल सुनीता मैहता ने की व मुख्य वक्ता के रूप में नागपुर मंडल प्रभारी अमनदीप कौर ने भाग लिया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला ०क्विज के माध्यम से अटल जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

सिरसा। जरूरतमंदों को जर्सियां वितरित करते हुए।

स्कूल में छात्र-छात्राओं को जर्सियां वितरित

सिरसा। सामाजिक संस्था चिल्ड्रन हार्ट फाउंडेशन, विराज मुंबई द्वारा एक विशेष सेवा कार्यक्रम के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, पनिहारी स्कूल के छात्र-छात्राओं को जर्सियां वितरित की गई और स्लम बस्तियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को गर्म कंबल भेंट किए गए। सरपंच तरसेम लाल ने संस्था के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ठंड में गरीब और बेसहारा लोगों की मदद करना ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने युवाओं से भी अपील की कि वे समाजसेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। स्कूल प्रिंसिपल शालू भारद्वाज ने संस्था का आभार जताया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ से नेहा, संतोष महला, सुनील गोदारा, अमित पारीक, बाला रानी, कुलदीप सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने ड्रग पीड़ितों की पहचान कर काउंसलिंग करवाई

स्वामी नगर, अशोक नगर व टोहाना में पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

नशे के गिरफ्त में फंसे लोगों को दवाइयां की वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में नशा मुक्ति टीमों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाते हुए नशा पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग तथा उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कार्यवाही की। एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा स्वामी नगर एवं अशोक नगर क्षेत्र में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान टीम ने आमजन से संवाद कर नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी तथा युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान 6 ड्रग पीड़ितों की पहचान की गई, जिनकी मौके पर ही काउंसलिंग कर उन्हें नशा छोडऩे के लिए प्रेरित किया गया। काउंसलिंग उपरांत इन पीड़ितों को आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध कराई गई, ताकि वे नशे से बाहर निकलने की दिशा में पहला सकारात्मक कदम उठा सकें।

इसके अतिरिक्त थाना भट्टू तथा थाना रतिया की ईआरवी टीमों द्वारा लाए गए एक-एक नशा पीड़ित को डॉक्टरों से संपर्क साधकर नागरिक अस्पताल फतेहाबाद एवं नागरिक अस्पताल रतिया में भर्ती करवाया गया, जहां उनका चिकित्सकीय उपचार प्रारंभ करवाया गया है। पुलिस टीम द्वारा पीड़ितों के परिजनों को भी उपचार प्रक्रिया की जानकारी देकर सहयोग के लिए प्रेरित किया गया। वहीं टोहाना डिवीजन में सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान टोहाना मंडल के अंतर्गत विशेष सर्वे और संपर्क अभियान चलाया गया। असभी चिन्हित पीड़ितों को आगामी सोमवार को सरकारी अस्पताल पहुंचकर नियमित उपचार शुरू करवाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही इंदिरा कॉलोनी, वार्ड नंबर-3 टोहाना में सर्वे किया गया, जहां 3 नए नशा पीड़ितों की पहचान की गई। इन सभी पीड़ितों को काउंसलिंग के माध्यम से नशा छोडऩे के लिए प्रेरित किया गया तथा उपचार से जोडऩे की प्रक्रिया शुरू की गई।

फतेहाबाद। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करती टीम।

मेहमडा क्षेत्र में पुलिस संदिग्ध स्थान खंगाले

फतेहाबाद। नशे के अवैध धंधे से जुड़े लोगों की धसरपकड़ को लेकर थाना शहर रतिया व महमड़ा पुलिस चौकी की टीम द्वारा रविवार को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सर्च एवं निगरानी अभियान चलाया गया। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा के नेतृत्व में जैक व रैम्बो की टीम द्वारा गठित विशेष पुलिस टीम ने रतिया शहर के नशा प्रभावित व संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त करते हुए सघन तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान मुख्य बाजारों, आंतरिक गलियों, सार्वजनिक स्थलों तथा पूर्व में चिन्हित संदिग्ध पॉकेट्स पर विशेष निगरानी रखी गई और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान सत्यापित की गई। इसी अभियान के तहत पुलिस चौकी मेहमडा की टीम द्वारा गांव बादलगढ़ क्षेत्र में भी व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। टीम ने गांव के प्रवेश-निकास मार्गों, सुनसान स्थानों तथा नशा प्रभावित संभावित क्षेत्रों में गहन जांच करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। इस दौरान स्थानीय युवाओं एवं ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा वाहनों की जांच की गई तथा बिना नंबर प्लेट या संदिग्ध परिस्थितियों में खड़े दोपहिया वाहनों की भी गहन पड़ताल की गई। साथ ही आमजन को नशे से दूर रहने, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत ऐसे सर्च एवं निगरानी अभियान नशा तस्करी पर अंकुश लगाने और असामाजिक तत्वों में भय कायम रखने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेंगे।

रतिया। क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी।

खेलो से युवाओं को नशे से बचाया जा सकता है : सैनी

रतिया। सीनियर सेकेंडरी स्कूल के ग्राउंड में नागर स्पोर्टस टैलेंट लाईव एकेडमी रतिया द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे कुलवंत सिंह सैनी, चेयरमैन मंडी बोर्ड रतिया ने कहा कि रतिया इलाके में जिस प्रकार से नशा का प्रकोप बढ़ रहा है ऐसे में निरन्तर खेल प्रतियोगिताएं करवाकर खेलो के प्रति युवाओं को जागरूक करके युवाओं को नशे से बचाया जा सकता है।
रघुवीर सिंह, कोच ने बताया कि आज की खेल प्रतियोगिता में रतिया, ग्राम पंचायत हंसगा, नाढोडी व अन्य गांवों के खिलाडिय़ों ने भाग लिया। आज की खेल प्रतियोगिता में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 1600 मीटर महिला और पुरुष की रेस, हाई जैम्प, लॉन्ग जैम्स, शॉट पुट, वॉक, गोला फेंक आदि गेम करवाए गए। शर्मा चंद लाली ने बताया कि रतिया इलाके में नशे ने युवाओं को खोखला कर दिया है, जिसके कारण आज हर रोज हम देखते हैं कि मीडिया में, बाजार में हर जगह आज नशे से मरे युवाओं या नशे की घटनाओं का जिक्र है इसलिए युवाओं को नशे से बाहर निकालने के लिए रतिया के हर मोहल्ला व सभी पंचायतों में सरकार व प्रशासन ने खेलो को बढ़ावा देते हुए खेलो का सामान व ग्राउंड की व्यवस्था करवानी चाहिए। आज की खेल प्रतियोगिता के रेस में लड़कियां 100 मीटर में प्रथम प्रीत रानी, द्वितीय प्रिय रानी, तृतीय अनुज, 200 मीटर रेस में प्रथम रमन, द्वितीय दीक्षित, तृतीय आशीष, 400 मीटर रेस लडक़े प्रथम नमन, द्वितीय रवि व तृतीय राहुल रहा। 1600 मीटर रेस लड़कियों में प्रथम प्रियंका, द्वितीय हर्ष, तृतीय रजनी, वॉकिंग रेस में प्रथम अन्नू, द्वितीय भारती चौहान, तृतीय खुशी इंदौरा, हैवर थ्रो में प्रथम मीरा, स्नेहल द्वितीय, तमन्ना तृतीय रही।

रतिया। खिलाडिय़ों को प्रोत्साहित करते अतिथिगण। *फोटो : हरिभूमि*

युवाओं को बर्बाद कर रही नशे की लत : मदन गोपाल

फतेहाबाद। नशा एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर युवाओं को बर्बाद कर रही है। यह बात पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के योग सेवक मदन गोपाल आर्य ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिंदड़ में आयोजित एक दिवसीय एनएसएस शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कही। योग सेवक मदन गोपाल ने कहा कि शराब, सिगरेट, तम्?बाकू एवं ड्र?स जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हि?स्सा आज नशे का शिकार हो रहा है जो कि परिवार एवं समाज के लिए घातक है। अगर युवा नशे के खतरनाक जाल में फंस गया तो समाज की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाएगा जिससे परिवार व समाज में चारों तरफ अराजकता का वातावरण उत्पन्न हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में युवाओं ने नशे को एक जनून बना लिया है जो कि उनके सर्वनाश का कारण बनता जा रहा है। आर्य ने कहा कि नशा करने वाला मानसिक, आर्थिक व सामाजिक रुप से प्रताड़ित रहता है तथा उसे अनेक प्रकार की भयंकर बीमारियां घेर लेती है। यहां तक कि नशे से पीड़ित व्यक्ति अपनी जान को भी गंवा देता है। सिरिंज से नशा लेने वालो को सिरिंज नीडल के कारण एचआईवी होने का भी खतरा रहता है। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से योगाभ्यास करके हम हर प्रकार के व्यसनो से मुक्त हो सकते है। विद्यालय के एनएसएस प्रभारी राजेन्द्र बैनिवाल ने उनका धन्यवाद किया। स अवसर पर रामनिवास, धनपत सिंह, कुलदीप व महेन्द्र सिंह उपस्थित थे।

फतेहाबाद। विद्यार्थियों को संबोधित करते योग सेवक मदन गोपाल आर्य। *फोटो : हरिभूमि*

दुबई से सिरसा पहुंचे कनिष्क चौहान का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

दुबई से एशिश कप क्रिकेट खेलकर लौटे कनिष्क चौहान का सिरसा लौटने पर खेल प्रेमियों ने स्वागत किया। सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बैनीवाल ने अपने आवास पर कनिष्क को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सिरसा का यह छोरा इब गेंद अर बल्ले तै अंडर-19 वल्डकप में भी धुम्मे ठावैगा, जिकी त्यारी इनै आच्छी ढाल कर ली है। काबिलेजिक्र है कि आईपीएल में बैंगलुरु के लिए भी क्रिकेटर कनिष्क चौहान का चयन हुआ है। हाल ही में दुबई में अंडर-19 क्रिकेट कप में भी कनिष्क चौहान का गेंद और बल्ले से सराहनीय योगदान रहा जिसकी बदौलत टीम प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंची और उपविजेता बनी। कनिष्क दाएं हाथ के बल्लेबाज व ऑफ-ब्रेक स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा कि कनिष्क को मंच उपलब्ध करवाने की अहम भूमिका सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन व हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिरुद्ध चौधरी की रही है।

सिरसा। क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बैनीवाल कनिष्क चौहान को आशीर्वाद देते।

खिलाड़ी को सराहा

डॉ. बैनीवाल ने कहा कि जिस हिम्मत व परिश्रम से कनिष्क चौहान ने फर्श से अर्श तक की सफल यात्रा की है, वह सभी के लिए प्रेरणास्पद व हतप्रभ करने वाला है। इस मौके पर डॉ. एमएम तलवाड़, डॉ. आशीष खुराना, डॉ. एसपी शर्मा, डॉ. पारीख, डॉ. सौरभ वालिया, हितैष व कनिष्क चौहान के प्रशिक्षक जसकरण सिंह प्रमुख रूप से शामिल थे।

दो तस्कर काबू, हेरोइन और गांजा बरामद

हिसार। जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों से हेरोइन व गांजा बरामद हुआ है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस की नशा निरोधक पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर गांव किरमारा निवासी पवन कुमार उर्फ पोनी को उसके घर से काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 10 किलोग्राम 390 ग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजा को कब्जा पुलिस ने पवन कुमार उर्फ पोनी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दूसरे मामले में पड़ाव चौकी पुलिस टीम ने गश्त के दौरान विकास नगर के समीप से एक व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम शहर के सैनिया मोहल्ला निवासी संजीव बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम 19 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने उस पर केस दर्ज कर लिया है।

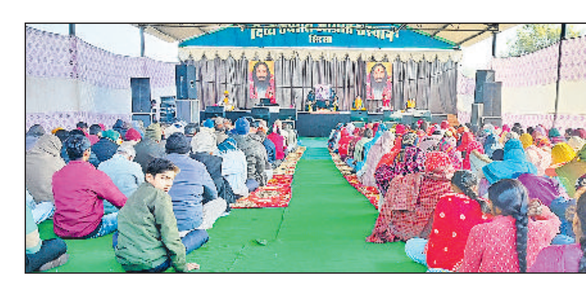

सिरसा। प्रवचनों का श्रवण करते हुए श्रद्धालुजन। *फोटो : हरिभूमि*

संत करते हैं सदैव समाज कल्याण : पूनम भारती

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का सत्संग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान साहुवाला आयोजित सत्संग में साध्वी पूनम भारती ने कहा कि हमारे संत-महापुरुष हमेशा समाज कल्याण करते हैं। उनका हर कदम हमारे लिए प्रकाशपुंज है। उन्होंने कहा कि देशभर में चार साहिबजादों का शहीदी दिवस मनाया जा रहा है। शहादत शब्द फारसी भाषा से निकला हुआ है, जिसका अर्थ है सच की गवाही, जो इंसान असूलों की सच्चाई के लिए अपने आप को कुर्बान कर देता है, उसको ही शहीद कहा जाता है। साध्वीश्री ने कहा कि आज हमारे आगे एक बहुत बड़ा प्रश्न खड़ा है कि जिन्होंने सत्य व हमारी जीवन रक्षा के लिए शहीदियां दी, क्या हम शहीदों को आज याद रख पा रहे हैं? कहीं हम भूल तो नहीं गए। उन्होंने हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अपने आप से हम प्रश्न करें क्या हम सत्य की खोज कर रहे हैं, तभी उसका उत्तर मिलेगा।

कर्म का महत्व बताया

साध्वीश्री ने समझाया कि इंसान अपने आप को भूल चुका है, लेकिन प्रश्न यह है कि सही कर्म कौन-सा है? हमारे महापुरुष बताते हैं कि कर्म वही सच्चा है, जो परमात्मा की प्राप्ति की ओर ले जाए। इस कर्म के लिए इंसान को एक पूर्ण गुरु की आवश्यकता होती है। संत-महापुरुषों का जीवन संपूर्ण सृष्टि के कल्याण के लिए होता है। जैसे सूर्य बिना किसी भेदभाव के सबको समान प्रकाश देता है, उसी प्रकार महापुरुष भी सभी पर समान रूप से अपनी कृपा बरसाते हैं मगर कमी इंसान में रह जाती है कि वह उस कृपा को स्वीकार नहीं करता। उन्होंने कहा कि गुरु की कृपा से ही इंसान मोह-माया की गहरी नींद से जागता है और खोई हुई भक्ति को पुनः प्राप्त करता है। इस प्रकार संसार में रहते हुए भी वह अपने लक्ष्य को पूरा कर परमात्मा में एकाकार हो जाता है।

श्री गोशाला सिरसा में रखे जाएंगे 300 गोवंशः राजेंद्र रातुसरिया

सिरसा। स्टे कैटल फ्री अभियान के तहत शहर से जिला प्रशासन द्वारा एक बार फिर बेसहारा गोवंश को पकडऩे का अभियान शुरू किया गया है। श्री गौशाला सिरसा के प्रधान राजेंद्र कुमार रातुसरिया ने बताया कि इस अभियान के तहत श्री गौशाला सिरसा में करीब 100 नंदियों को पकडक़र श्री गौशाला सिरसा में छोड़ा जा चुका है। श्री गौशाला सिरसा ने शहर से 300 गौवंश ेगौशाला में लेने का फैसला किया है, जिससे शहर में घूम रहे बेसहारा गोवंश से शहरवासियों को निजात मिलेगी तथा सर्दियों में इन बेसहारा गोवंश के कारण होने वाले हादसों से छुटकारा मिलेगा तथा गौवंश का भी सर्दी से बचाव होगा। रातुसरिया ने बताया कि प्रशासन के साथ गौशाला कमेटी की मीटिंग में श्री गौशाला सिरसा ने शहर को बेसहारा गौवंश से निजात दिलाने के लिए 300 नंदियों को गौशाला में लेने का फैसला किया है, ताकि बेसहारा गौवंश से शहर वासियों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

सिरसा। श्री गौशाला सिरसा पकड़े गए नंदियों को छोड़ते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस आवासीय शिविर की शुरुआत की गई। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुरेश गिरी ने बताया कि इस सात दिवसीय आवासीय शिविर का आयोजन 28 दिसंबर से 3 जनवरी 2026 तक किया जाएगा जिसमें लगभग 150 बच्चे भाग लेंगे व प्रत्येक दिन विभिन्न क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को ज्ञानवद्र्धक बातें बताई जाएंगी व अनेक प्रकार की गतिविधियां करवाई जाएंगी जिससे स्वयंसेवकों में मानसिक विकास हो तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के लिए हमेशा तत्पर रहने की भावना विकसित हो। कार्यक्रम के मुख्यातिथि डॉ. राजकुमार ने बच्चों को एनएसएस के उद्देश्यों के बारे में बताया तथा बच्चों को 12वीं कक्षा के बाद विभिन्न कोर्सों में एडमिशन संबंधित महत्वपूर्ण बातें बताई। उन्होंने कहा कि जो बच्चे शिक्षक बनना चाहते हैं, उनके लिए विवि ने विभिन्न कोर्सेज शुरू किए गए हैं। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य मदन मलिक ने अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के साथ-साथ प्रमोद, अनूप, जगतार, कुलदीप मान, पंकज, सुशील आदि मुख्य प्रवक्ता भी मौजूद रहे।

सिरसा। एनएसएस शिविर में बच्चों को संबोधित करते वक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

खेलकूद

हरियाणा राज्य साइकलिंग संघ के तत्वावधान में प्रतियोगिता का आयोजन

अस्मिता साइकिल लीग में आशा, प्रियंका और दीक्षा जीती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा राज्य साइकलिंग संघ के बैनर तले जिला साइकिलिंग संघ फतेहाबाद द्वारा अस्मिता महिला साइकिल लीग प्रतियोगिता का आयोजन रतिया रोड पर किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों की महिला साइकिलिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शानदार प्रदर्शन किया। सब-जूनियर वर्ग की 10 किलोमीटर सामूहिक रेस में दीक्षा ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि गजल ने रजत और दीक्षा ने कांस्य पदक प्राप्त किया। जूनियर वर्ग की 15 किलोमीटर सामूहिक रेस में प्रियंका ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। मनप्रीत ने रजत तथा आईना ने कांस्य पदक अपने नाम किया। महिला वर्ग की 20 किलोमीटर सामूहिक रेस में आशा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। शोभा ने रजत तथा ज्योति ने कांस्य पदक प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि पुरुषोत्तम सिंह एवं हरियाणा राज्य साइकिलिंग संघ के महासचिव नीरज तंवर द्वारा पदक देकर सम्मानित किया गया।

फतेहाबाद। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

इस मौके पर ये रहे मौजूद

इस मौके पर कुलबीर सिंह सोहल, कुलदीप सिंह वड़ैच, साई कोच जसवीर भुल्लर, सुनील पूनिया, दारा सिंह, जगदीश असीजा, समीर यादव, संजय सिंह, अजहरुद्दीन, गौरव वर्मा, सोमवीर सिंह, ओंकार सिंह, सुभाष पूनिया अनिल राठी, प्रभात, राजेश कुमार सहित अनेक खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

सराहनीय पहल

इस अवसर पर हरियाणा राज्य साइकिलिंग संघ के महासचिव नीरज तंवर ने कहा कि अस्मिता साइकिल लीग खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय साइकिलिंग महासंघ की एक सराहनीय पहल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को साइकिलिंग से जोडऩा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित कर नई महिला साइकिलिस्टों को मंच दिया जा रहा है, ताकि भविष्य में ये खिलाड़ी ओलंपिक, एशियाड जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें।

अलग-अलग हादसों में तीन की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

पुलिस ने तीनों मामलों में केस दर्ज कर जांच की शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

उपमंडल क्षेत्र में हुए सडक़ हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। शव पोस्टमार्टम के उपरांत परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पहला हादसा शनिवार रात गांव जांडवाला के समीप केशव ढाणी के पास हुआ। यहां ट्रैक्टर पलटने से उस पर सवार एक मजदूर की दबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव आसाखेड़ा निवासी विजय कुमार पुत्र हीरा लाल के रूप में हुई है। विजय अपने गांव के ही कालूराम के साथ ट्रैक्टर पर सवार होकर राजस्थान के नथोर गया था। वापसी के दौरान ट्रैक्टर कालूराम चला रहा था, जबकि विजय साइड वाली सीट पर बैठा था। केशव ढाणी के पास सामने से तेज लाइट पडऩे के कारण चालक को रास्ता स्पष्ट दिखाई नहीं दिया और ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान विजय की ट्रैक्टर के नीचे दबने से मौत हो गई।

बाइकों को आमने-सामने भिड़ंत

दूसरा हादसा बिज्जुवाली गांव के पास हुआ जहां साइकिल और मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बिज्जुवाली निवासी राम स्वरूप पुत्र नत्थू राम की मौत हो गई और मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर गोरीवाला पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान राम स्वरूप ने दम तोड़ दिया। तीसरा हादसा ऐलनाबाद रोड पर गांव अलीका व मसीतां के बीच हुआ। यहां अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार भट्टा मजदूरों को टक्कर मार दी। गांव गंगा निवासी हरदेव सिंह पुत्र कीकर सिंह और जसविंदर सिंहपुत्र पप्पी सिंह मसीतां स्थित एक ईंट भ_ पर ट्रैक्टर चलाने का काम करते थे। शनिवार शाम को दोनों बाइक से अपने गांव गंगा लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को डबवाली अस्पताल पहुंचाया गया।

खबर संक्षेप

सुरेंद्र का अंतरराष्ट्रीय पैरा थ्रो बॉल स्पर्धा में चयन

सिरसा। जिला के गांव शेरपुरा निवासी खिलाड़ी सुरेंद्र कुमार का चयन इंडोनेशिया में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय पैरा थ्रो बॉल फेडरेशन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 20 से 23 फरवरी तक जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न देशों के उत्कृष्ट पैरा खिलाड़ी भाग लेंगे। पैरा थ्रो बॉल फेडरेशन की ओर से हाल ही में झारखंड की राजधानी रांची में खिलाडय़ों के ट्रायल आयोजित किए गए थे। इन ट्रायल्स में जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, हरियाणा, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

शनिदेव मंदिर ओढ़ा में तेल स्नान व भंडारा 3 को

ओढां। गौशाला रोड पर स्थित श्री शनिदेव मंदिर ओढ़ा में 3 जनवरी को हवन यज्ञ, भजन संकीर्तन, तेल स्नान व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मंदिर के मुख्य सेवक रमेश गर्ग ने बताया कि दिनांक 3 जनवरी, दिन शनिवार को सुबह सवा 8 बजे तेल स्नान, सवा 9 बजे हवन यज्ञ सवा 10 बजे भजन कीर्तन शुरू होगा। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक पुजारी केपी लाटा पदमपुर, भजन गायिका राधा सोनी व गंगा सोनी, श्याम लाडला बाबा जी का गुणगान करेंगी। इसके बाद सवा 11 बजे भंडारा शुरू हो जाएगा। जिसमें काफी संख्या में गांववासी पहुंचते हैं।

पुलिस ने चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने संपति विरुध अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी की घटना में संलिप्त आरोपी को सिरसा जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। ऐलनाबाद थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रगट सिंह ने बताया कि सुरेंद्र पुत्र काशीराम निवासी ऐलनाबाद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती 7 सितंबर को घर पर ताला लगाकर अपने परिवार सहित बाहर मेले में गए हुए थे। करीब डेढ़ बजे वासप घर आकर देखा तो घर के ताले टूटे हुए मिले और घर का सारा समान बिखरा हुआ मिला। पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि घर में रखी अलमारी वगैरा चैक की तो उसमें से 25 हजार रुपए की नगद राशि अज्ञात युवकों द्वारा चोरी करना पाया गया।

डॉ केवी सिंह के नेतृत्व में गांधी चौक पर दिया सांकेतिक धरना

स्थापना दिवस पर डबवाली में कांग्रेस के मनरेगा बचाओ अभियान की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

डबवाली। गांधी चौक में सांकेतिक धरने को संबोधित करते पूर्व विधायक अमित सिहाग।

कांग्रेस पार्टी की स्थापना दिवस पर रविवार को डबवाली कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ अभियान की शुरुआत शहर के गांधी चौक में सांकेतिक धरना देकर की। इस मौके पर कांग्रेस नेता डॉ. केवी सिंह ने कहा कि मौजूदा केंद्र की भाजपा सरकार ग्रामीण अंचल के किसानों तथा मजदूरों को खत्म कर पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने की साजिश रचते हुए मनरेगा को खत्म कर रही है और जिस तरह से भूमि अधिग्रहण बिल बदले गए ,रात के अंधेरे में तीन कृषि विरोधी काले कानून लाए गए, उसी प्रकार से सरकार अब वीबी जीरामजी नाम की योजना की ला मनरेगा को खत्म कर किसानों व मजदूरों को राम भरोसे छोडऩे की फिराक में है, ताकि ग्रामीण अंचल के लोग अमीर पूंजीपतियों के आर्थिक गुलाम बन सके।

डॉ केवी सिंह ने कहा कि वर्ष 2005 में तत्कालीन प्रधानमंत्री सरदार मनमोहन सिंह ने दूरगामी सोच के तहत मनरेगा की स्कीम चलाई थी, जिसमें ग्रामीण अंचल के मजदूरों को कम से कम 100 दिन का रोजगार देने की गारंटी दी जाती थी और इस योजना से करीब 12 करोड़ लोग लाभ ले रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी महामारी के दौरान इस योजना ने रामबाण की तरह काम करते हुए लोगों को भुखमरी से बचाया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने खुद माना है कि मनरेगा लागू होने के बाद 14 प्रतिशत भूमिहीन मजदूरों की आमदनी बढ़ी है और ग्रामीण आंचल में 26 प्रतिशत गरीबी कम हुई है। उपरोक्त ने कहा कि होना यह चाहिए था कि सरकार इस योजना को बनाने वाले स्वर्गीय मनमोहन सिंह जी को पुरस्कार देती लेकिन उल्टा सरकार इसे खत्म करने जा रही है जो की अति दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा पहले सरकार ने इस योजना को खत्म करने की दिशा में 1 लाख 11 हजार करोड़ के बजट को वर्ष 2024-25 में कम करते हुए 86 हज़ार करोड़ कर दिया और उसके बाद स्कीम की आत्मा को ही मारने का काम किया। उन्होंने कहा कि इस स्कीम के तहत जहां पहले 100 दिन की रोजगार की गारंटी दी जाती थी और रोजगार न देने पर बेरोजगारी भत्ता दिया जाता था और ग्रामसभा की मांग पर केंद्र से बजट जारी होता था, लेकिन अब ग्रामसभा के अधिकार को खत्म कर केंद्र के अधिकारी को इसका संचालन दिया जा रहा है जिससे ग्रामीण विकास पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा के विपरीत अब केंद्र सरकार फैसला लेगी की किस राज्य के किस ग्राम में कितना फंड देना है और क्या काम करवाना है जो की ग्राम पंचायत के अधिकार का हनन है।

पूर्व विधायक अमित सिहाग ने कहा कि ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज्य मंत्रालय के चेयरमैन शतपति शंकर ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर मांग की थी कि नई योजना लागू करने से पहले इस पर गहन विचार हो, राज्य सरकारों तथा ग्राम सभाओं से इस पर चर्चा की जाए और लोकसभा की स्टैंडिंग कमेटी को इसे भेजा जाए, लेकिन विभाग के इस सुझाव को रद्द करते हुए रात के अंधेरे में मौजूदा सरकार ने जबरदस्ती इस कानून को देश पर थोपने का काम किया है और इसी के खिलाफ हम आज डबवाली में एकत्रित होकर अपना विरोध दर्ज करवा रहे हैं।

हर गांव में 11 लोगों की एक कमेटी बनाई

पूर्व विधायक अमित सिहाग ने कहा कि डबवाली हल्के के कांग्रेस कार्यकर्ता इस बात के लिए बधाई के पात्र है कि उन्होंने पूरे देश में सबसे पहले इस अभियान की शुरुआत डबवाली से की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में हर गांव में 11 लोगों की एक कमेटी बनाई जाएगी और आंदोलन की रूपरेखा आगे बनाई जाएगी। इस अवसर पर भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टोहाना। गांव धारसूल कलां में कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनते सांसद बराला।

सांसद बराला ने नागरिकों के साथ सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को गांव धारसूल कलां के बूथ नंबर 117 पर पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुना। इस अवसर पर कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के नाम दिए गए संदेशों पर विचार-विमर्श किया गया तथा उनके सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व पर चर्चा की गई। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि 'मन की बात' एक ऐसा सशक्त माध्यम बन चुका है, जो देश के प्रत्येक वर्ग को जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा सांस्कृतिक गौरव, सामाजिक सहभागिता और नागरिक कर्तव्यों पर दिए गए संदेशों को समयानुकूल और प्रेरणादायी बताया। सांसद ने कहा कि देश की सभ्यता, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, जिससे नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ी रह सके। महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार के विषय पर चर्चा करते हुए सांसद बराला ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त आधार तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही हैं, जो समाज के संतुलित और समग्र विकास के लिए आवश्यक है। सांसद ने कहा कि 'मन की बात' से प्राप्त संदेशों को केवल सुनना ही नहीं, बल्कि उन्हें व्यवहार और कार्यशैली में आत्मसात करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन प्रेरणादायी विचारों को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं, ताकि आत्मनिर्भर, सशक्त और समरस भारत के संकल्प को मजबूती मिल सके।

रॉयल स्कूल में वार्षिक खेल दिवस आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। रॉयल स्कूल खारा खेड़ी में विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

गांव खाराखेड़ी स्थित रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में नर्सरी से कक्षा पांचवी तक के विद्यार्थियों के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठक एवं वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने शिक्षकों से संवाद कर अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा की। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए मनोरंजक एवं उत्साहपूर्ण खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मनदीप योगी, सरपंच, गोरखपुर तथा कृष्ण बलदेव गोदारा, जिला समन्वयक, योगभारती, फतेहाबाद उपस्थित रहे। वार्षिक खेल दिवस का शुभारंभ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। मुख्य अतिथियों का स्वागत बैंड द्वारा मधुर धुन प्रस्तुत कर किया गया तथा उनके सम्मान में स्वागत गीत गाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जुम्बा एवं छाता नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद मनमोहक हरियाणवी नृत्य ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में भांगड़ा एवं गिद्धा की ऊर्जावान प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भी उल्लासमय बना दिया। इसके उपरांत नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें बच्चों ने पूरे उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का समापन अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच हुए रोमांचक रस्साकसी मुकाबले के साथ हुआ, जिसने पूरे माहौल को आनंद और ऊर्जा से भर दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा रिटायर्ड, सीनियर कोऑर्डिनेटर पूनम बिश्नोई, गतिविधि इंचार्ज वर्षा और अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे।

श्री अखंड पाठ साहिब के भोग व गुरबाणी की दिव्य गूंज के बीच समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टोहाना

टोहाना। गुरूद्वारे में लंगर सेवा करते सांसद सुभाष बराला।

बाबा जोरावर सिंह जी एवं बाबा फतेह सिंह जी सोसाइटी, टोहाना द्वारा आयोजित शहीदी दिवस के अवसर पर रविवार को श्री अखंड पाठ साहिब के भोग श्रद्धा, सत्कार और गुरबाणी की दिव्य गूंज के बीच संपन्न हुए। इस समारोह में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य रूप से शिरकत की और चारों साहिबजादों की अमर शहादत को नमन किया। संगत को संबोधित करते हुए सांसद बराला ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान त्याग, अदम्य साहस और धर्म की अटल निष्ठा का सर्वोच्च प्रतीक है, जो हर पीढ़ी को सत्य और राष्ट्र-धर्म के मार्ग पर दृढ़ रहने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने गुरु परंपरा की महानता का स्मरण करते हुए कहा कि इतिहास की प्रामाणिक समझ ही राष्ट्र सेवा की प्रथम सीढ़ी है, और गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबज़ादों की शहादत हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े रहने और धर्म-संस्कारों की रक्षा करने का मार्ग दिखाती है। कार्यक्रम के दौरान सांसद ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के चरणों में माथा टेका, गुरु मर्यादा के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की तथा विश्व-कल्याण और सामाजिक एकता की अरदास में संगत के साथ सम्मिलित हुए।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। जेएनवी, खारा खेड़ी में आयोजित एनएनएस शिविर में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वक्तागण।

जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर 2 जनवरी 6 तक आयोजित किया जाएगा। शिविर के प्रथम दिवस कुल 57 विद्यार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें सात समूहों चार बालिका एवं तीन बालक समूह में विभाजित किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ फतेहाबाद के प्रमुख समाजसेवी विनोद तायल द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का ध्वज फहराकर किया गया। इस अवसर पर लक्ष्य गीत, प्रार्थना एवं राष्ट्रगीत वंदे मातरम्‌ का सामूहिक गायन किया गया।मुख्य अतिथि विनोद तायल ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सेवा भाव को जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए नारा दिया 'सेवा से तुम पाओगे पार' तथा एनएसएस के ध्येय वाक्य 'मैं नहीं, आप' को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी विजय कुमार ने सात दिवसीय शिविर की संपूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत की तथा इस वर्ष की थीम 'यूथ फॉर डिजिटल लिटरेसी' की जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने अपने संबोधन में विनोद तायल द्वारा संचालित सामाजिक संस्थाओं एवं सेवा कार्यों की सराहना की तथा विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों, मानव सेवा और समाज के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने हेतु प्रेरित किया।

कार सवार दो युवक हेरोइन सहित काबू

सिरसा। हेरोइन के साथ पकड़े गए आरोपी पुलिस की गिरफत में।

डबवाली। सीआईए डबवाली पुलिस ने कार सवार दो आरोपियों को 6 ग्राम 120 मिलीग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि एएसआई प्रीतम सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौरान कोर्ट के पीछे प्याज मंडी डबवाली में पहुंचे तो दो युवक एक कार खड़े दिखाई दिए। एएसआई ने शक के आधार पर साथी कर्मचारियों की सहायता से काबू कर नियमानुसार तलाशी ली तो उनके कब्ज से 6 ग्राम 120 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान करण पुत्र बिट्टू सिंह निवासी वार्ड नंबर 5 मंडी डबवाली व आर्यन पुत्र सुरेश कुमार निवासी वार्ड नंबर 10 मंडी डबवाली के रूप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ थाना शहर डबवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई गई है।

जवान सुरजीत सिंह का राष्ट्र सेवा में अहम योगदान : सासंद दुग्गल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। शहीद सुरजीत सिंह को श्रद्धांजलि देती पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल।

पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष यतींद्र सिंह एडवोकेट रविवार को गांव ढूकड़ा स्थित दिवंगत वीर जवान सुरजीत सिंह के निवास पर पहुंचे और वीर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संतप्त परिवार से बातचीत करते हुए ढांढस बंधाया और गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि गांव ढूकड़ा निवासी सीमा सुरक्षा बल में तैनात वीर जवान सुरजीत सिंह का गत दिनों एक दुर्भाग्यपूर्ण सडक़ हादसे में देहांत हो गया था। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से फोन पर वीर जवान के परिजनों की बात भी करवाई गई। मुख्यमंत्री ने भी परिजनों से फोन पर बात कर ढांढस बंधाया। पूर्व सांसद ने कहा कि वीर जवान सुरजीत सिंह ने सीमा सुरक्षा बल में रहते हुए देश की सेवा पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से की। राष्ट्र सेवा में समर्पित ऐसे जवानों का योगदान सदैव सम्मान के साथ याद रखा जाएगा। रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष यतीन्द्र सिंह एडवोकेट एवं पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व अन्य ने वीर जवान को श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम गांव के मुख्य चौक पर स्वागत कर भव्य सम्मान किया

5 किमी सड़क की करवाई सफाई, फोरमोस्ट कंपनी के एमडी को ग्रामीणों ने किया सम्मानित

सड़क किनारे उगी झाड़ियों की कटाई, गड्ढों की मरम्मत व रिफ्लेक्टर लगवाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

भट्टूकलां। गांव किरढाण में ग्रामीणों को संबोधित करते शीशपाल राड़।

गांव किरढाण निवासी फोरमोस्ट कंपनी के प्रबंध निदेशक शीशपाल राड़ का ग्रामीणों द्वारा गांव के मुख्य चौक पर स्वागत कर भव्य सम्मान किया गया। यह सम्मान उन्हें सडक़ सुरक्षा के प्रति जागरूकता, हेलमेट प्रयोग को बढ़ावा देने तथा खिलाडिय़ों की सहायता जैसे सामाजिक कार्यों के लिए प्रदान किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि कम उम्र में एक छोटे से गांव से निकलकर बड़ी कंपनी स्थापित करना और सैकड़ों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना अपने आप में सराहनीय कार्य है। साथ ही समाज सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लेना उन्हें एक प्रेरणास्रोत बनाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले माह शीशपाल राड़ के नेतृत्व में भट्टू कलां से किरढाण तक सडक़ सुरक्षा सप्ताह के तहत लगभग 5 किलोमीटर मार्ग की साफ-सफाई करवाई गई। इस दौरान सडक़ किनारे उगी झाडिय़ों की कटाई, गड्ढों की मरम्मत, रिफ्लेक्टर लगवाना, पेड़ों का रंग-रोगन तथा ऊबड़-खाबड़ स्थानों को समतल करवाया गया, जिससे मार्ग न केवल सुंदर बना बल्कि दुर्घटनाओं में भी कमी आई है। यह कदम गांव के एक युवक की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद उठाया गया था, क्योंकि इस मार्ग पर पहले अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती थीं। इस अवसर पर ग्रामीणों ने शीशपाल राड़ के पिता महावीर राड़ का भी सम्मान करते हुए कहा कि ऐसे संस्कार आज की हर पीढ़ी में होने चाहिए। वहीं शीशपाल राड़ ने मिले मान-सम्मान के लिए ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने फोरमोस्ट कंपनी के युवाओं को भी सम्मानित किया और समाजहित में उत्कृष्ट कार्य करने पर उन्हें समय-समय पर फोरमोस्ट योद्धा की उपाधि दी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मास्टर सुभाष शर्मा, घनश्याम दास शर्मा, डॉ. तेलू राम, आत्माराम झाझड़ा, प्रताप झाझड़ा, सतपाल झाझड़ा, मोहर सिंह श्योरान, हरा राम गुर्जर, विनोद श्योरान, हवा सिंह तरड़, श्रीकांत जांगड़ा, रामफल जांगड़ा, छबिल दास छिम्पा सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

ऑनलाइन फ्रॉड मामले में साइबर पुलिस ने दो युवकों को किया काबू

- आरोपी की पहचान राजस्थान के राहुल और मोहम्मद रूप में हुई, पुलिस ने 13 हजार की नकदी बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। ऑनलाइन फ्रॉड मामले में पकड़े गए दोनों युवक।

ऑनलाइन होटल, रेस्टोरेंट और दुकानों को फर्जी पांच स्टार रेटिंग देने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने दो युवकों को काबू किया है। इन युवकों की पहचान राहुल पुत्र बाबूलाल और मोहम्मद इरफान पुत्र मोहम्मद यूसुफ निवासी झुंझुनू, राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को जांच में शामिल कर इनके पास से 13 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। इससे पहले इसी मामले में दो अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि शिकायतकर्ता विजय कुमार पुत्र जगदीश कुमार निवासी भोडिया खेड़ा, जिला फतेहाबाद ने शिकायत की थी कि आरोपी व उनके सहयोगियों ने ऑनलाइन होटल, रेस्टोरेंट और दुकानों को फर्जी पाँच स्टार रेटिंग देने का झांसा देकर उसे कई यूपीआई आईडी पर ट्रांजैक्शन करने को मजबूर किया। इन लेन-देन के बदले में वास्तविक भुगतान कभी नहीं किया गया और कुल 3,08,400 की धोखाधड़ी हुई। शिकायत पर थाना साइबर क्राइम में 6 जुलाई को धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। थाना प्रभारी के अनुसार मामले की जांच जारी है।